University in News on 01 January 2024

i-NEXT PAGE 5

स्टूडेंट्स को नए साल में मिल जाएगी नई बिल्डिंग

एलयू के सेकंड कैम्पस में यह बिल्डिंग बनकर तैयार हो रही है

LUCKNOW (31 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के फार्मेसी कोर्स के लिए नई बिल्डिंग का तोहफा नए साल में मिलेगा. एलयू के सेकंड कैम्पस में यह बिल्डिंग बनकर तैयार हो रही है. तीन मंजिला इस इमारत की लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है. एलयू प्रशासन का कहना है कि मार्च तक बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाएगी. यह बिल्डिंग बीफार्मा व डीफार्मा के स्टूडेंट्स के लिए बन रही है. इस बिल्डिंग में हाइटेक लैब भी बन रही है. साथ ही एक्सपेरिमेंट के लिए एनिमल हाउस की भी सुविधा होगी. मौजूदा समय में अपनी खुद की बिल्डिंग न होने की वजह से इसे इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में ही चलाया जा रहा है.

ऑनलाइन एजुकेशन पर भी रहेगा जोर

एलयू इस साल फरवरी से ऑनलाइन एजुकेशन पर भी जोर देने जा रहा है. यूजी में जहां बीकॉम, बीबीए के ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जाएंगे वहीं, एमकॉम को भी ऑनलाइन शुरू करने की तैयारी है. हाल ही में एलयू ने आर्ट्स फैकल्टी में पीजी स्तर पर डांइग, डिजाइन व टेक्सटाइल कोर्स शुरू किए हैं.

स्टाफ बढ़ाने पर जोर

एलयू अकेडमिक व इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर लगातार जोर दे रहा है. चाहे वह ऑनलाइन कोर्स शुरू करने की बात हो या नया परीक्षा भवन बनाने का काम, एलयू लगातार प्रयास कर रहा है. इसी कड़ी में एलयू टीचिंग स्टाफ बढ़ाने पर जोर दे रहा है. एलयू ने हाल ही में वैकेंसी का नोटिफिकेशन जारी किया था, करीब 100 टीचिंग स्टाफ को नियुक्त किया जाएगा. इसके अलावा एलयू जल्द ही प्रबंधन संकाय शुरू करने की तैयारी कर रहा है. इसके लिए संकाय को राजभवन से मंजूरी भी मिल चुकी है. संस्तुति के बाद बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन किया जाएगा. इसके अलावा एग्रीकल्चर फैकल्टी के लिए एलयू ने शासन जमीन भी मांगी है.

जी20 देशों में कैंपस खोलने की तैयारी

एलयू जी20 देशों में भी कैंपस खोलने की तैयारी कर रहा है. इसके लिए नेपाल में बातचीत चल रही है. इसके अलावा एलयू बांग्लादेश, स्पेन, पोलैंड और रूस में भी कैंपस खोलने के लिए बातचीत कर रहा है.

HINDUSTAN PAGE 6

ऑनलाइन पढ़ाई विदेशों में कैंपस

- नए परीक्षा भवन का शिलान्यास।
- लाइब्रेरी, ऑडिटोरियम निर्माण।
- कृषि संकाय का भूमि आवंटन।
- अभिनव गुप्त संस्थान में सृजित पदों पर नियुक्ति।
- एग्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम शुरू होने की उम्मीद।
- नए साल में ऑनलाइन व दूरस्थ माध्यम से शिक्षा की शुरूआत।
- विदेशों में कैंपस खोलने की उम्मीद। नेपाल से बातचीत है। बांग्लादेश, स्पेन, पोलैंड और रुस के दौरे पर प्रतिनिधिमंडल जाएगा
- ओडीओपी से जुड़े कोर्स शुरू होंगे
- ललित कला संकाय में टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स होगा शुरू।
- आर्ट्स कॉलेज में संगीत विभाग खोलने की योजना।
- गणित-खगोल विज्ञान विभाग को पहला स्वदेशी एस्ट्रोनॉमी रिसर्च सेंटर मिल सकता है।

NBT PAGE 4

ायक कुलसचिव व संपत्ति अभियन्ता ने किया का एलयू भ्रमण

LU की तरह संवरेगा गुजरात विश्वविद्यालय

एनबीटी संवाददाता, लखनऊ: गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद सहायक कुलसचिव और संपत्ति अभियन्ता ने एलयू का रविवार को भ्रमण किया है। एलयू की तर्ज पर ही सजावटी लाइट, गौरव और संविधान स्थल बनाने का गुजराज विवि में प्लान है। गुजरात विवि के सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी रविवार को एलयू पहुंचे। यहां उन्होंने कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन की सजावटी लाइटिंग देखी। गौरव स्थल एवं संविधान स्थल भी देखा। सहायक कुलसचिव ने कहा कि गौरव स्थल एलयू के नाम को प्रतिनिधित्व प्रदान करने वाला स्थान है। इसी प्रकार राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की प्रस्तावना और बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के साथ संविधान स्थल भी काफी आकर्षक है। उन्होंने बताया कि गुजरात विवि में घड़ी वाला टावर है। 75 वर्ष पुराना विवि है। लिहाजा गुजरात विवि को भी एलयू की तर्ज पर ही सजाने की योजना है। एलयू की फोटो व विडियो बनाकर गुजरात विवि का प्रतिनिधिमंडल साथ में ले जा रहा है। सहायक कुलसचिव ने बताया कि गुजरात विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह जी, कस्तूरीरंगन, विक्रम साराभाई पढ़ाई कर चुके हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

गुजरात विवि के अफसर पहुंचे लविवि

लखनऊ। गुजरात विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी व संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे। विवि परिसर में बने संविधान स्थल का भ्रमण किया। शैलेश मोदी ने कहा कि संविधान स्थल हमारे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की प्रस्तावना व बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। (संवाद)

विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच बढ़ाने की कोशिश है। इसके लिए कई संस्थानों से करार किए गए हैं। आनलाइन कोर्स भी नए साल में शुरू करने की तैयारी है। पढ़ाई के साथ शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है।

-प्रो. आलोक राय, कुलपति, लवि

JAGRAN CITY PAGE I, III

छात्रवृत्ति का मास्टर डाटा अग्रसारित करने में आई दिक्कत

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और सीतापुर जिले के महाविद्यालयों के दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए मास्टर डाटा अग्रसारित करने में समस्या खड़ी हो गई है। इन जिलों के कालेजों ने मास्टर डाटा में प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष की सहयुक्तता के विकल्प में लखनऊ विश्वविद्यालय लाक कर दिया, लेकिन लवि की लागिन पर कोर्स वर्ष वार सहयुक्तता के अंतर्गत प्रदर्शित हो रहा। इसी वजह से विश्वविद्यालय मास्टर डाटा अपने स्तर से अग्रसारित नहीं कर पा रहा। अब विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी (छात्रवृत्ति) शशि प्रभा तिवारी ने कालेजों को पत्र जारी कर अपने स्तर से जिला समाज कल्याण विभाग से संपर्क कर समस्या का निदान कराने के लिए कहा है।

दरअसल, वर्तमान में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति-2023-24 के लिए लवि से सम्बद्ध महाविद्यालयों के मास्टर डाटा को विश्वविद्यालय स्तर से सत्यापित करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन चार जिलों के कालेजों के मास्टर डाटा को अग्रसारित करने में समस्या आ रही है। लवि के लागिन पर यूनिवर्सिटी रिलेटेड आप्शन के ड्राप-डाउन मेनू में कोर्स-ईयर वाइज सम्बद्धता प्रदर्शित हो रहा। इस डाटा में सिर्फ प्रथम वर्ष का ही डाटा सक्रिय है। इसकी वजह से मास्टर डाटा अग्रसारित नहीं हो रहा।

लवि की तर्ज पर गुजरात विश्वविद्यालय में भी बनेगा गौरव स्थल

जासं, लखनऊ : गुजरात विश्वविद्यालय से सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का भ्रमण करने पहुंचे। दोनों ने कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन की सजावट, गौरव स्थल एवं संविधान स्थल को देखा। साथ ही पूरे विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया।

सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी ने कहा कि गौरव स्थल एक भिन्न प्रकार का विश्वविद्यालय के नाम को प्रतिनिधित्व प्रदान करने वाला स्थान है। इसी प्रकार संविधान स्थल भी हमारे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की प्रस्तावना और बाबा साहब डा भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के साथ संविधान स्थल के नाम को प्रस्तुत करता है। विश्वविद्यालय का भवन पुराना है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारे वहां घड़ी वाला टावर है। हमारा विश्वविद्यालय 75 वर्ष पुराना है। अपने विश्वविद्यालय में इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने का प्रयास होगा।

गुजरात विश्वविद्यालय से टीम रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंची● सौजन्य: लवि

लवि करेगा हास्टल और परिसर के पानी की जांच

जासं, लखनऊ : लवि अब कैंपस से लेकर हास्टल तक में पीने के पानी की गुणवत्ता नियमित रूप से जांचेगा। इसमें रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी अहम भूमिका निभाएंगे। इसके लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष को पत्र मिलने के बाद योजना बननी शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय खुलने के बाद टीमें बनाकर पानी की गुणवत्ता जांचने का काम शुरू होगा। लवि में 17 हास्टल के साथ-साथ कैम्पस में जगह जगह छात्र-छात्राओं के लिए पीने के पानी व्यवस्था है। ज्यादातर जगह एक्वागार्ड भी लगा है, लेकिन अक्सर छात्र संगठन एवं विद्यार्थी पानी की खराब गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते रहते हैं। कुछ समय पहले सुभाष हास्टल में इसकी जांच की गई थी। अब तय किया गया है कि नियमित रूप से सभी हास्टल और परिसर के सामान्य स्थल वाले स्थानों पर पानी की गुणवत्ता जांची जाएगी।

एमएससी जूलाजी की परीक्षा नौ से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के कई और विषयों का परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी कर दिया है। इनमें एम.एससी जूलाजी, एम.ए सोशल वर्क सहित आठ विषय शामिल हैं। छात्र-छात्राएं विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार एम.एससी जूलाजी तीसरे सेमेस्टर की नौ से 20 जनवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 22 जनवरी तक होंगी। एम.ए जाग्रफी (सीबीसीएस) तीसरे सेमेस्टर की नौ से 19 जनवरी व प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 10 से 20 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी। इसी तरह एम.ए लिंग्विस्टक तीसरे सेमेस्टर की नौ से 19 जनवरी एवं प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 10 से 22 जनवरी तक, बी.ए आनर्स सोशल वर्क पांचवें और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 जनवरी को होगी।

इनकी भी तिथि जारी : एम.ए. इन क्रिमिनोलाजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 25 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 17 जनवरी तक होंगी। एम.ए. इन पापुलेशन स्टडीज (सीबीएसएस) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 12 से 19 जनवरी, प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 27 जनवरी तक, एम.ए. सोशल वर्क तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 22 जनवरी, प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 22 जनवरी तक होंगी। मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 15 से 22 जनवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 25 जनवरी तक होंगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 4

लविवि : सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को मिलेगा प्रतिकर अवकाश

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में 25 दिसंबर से 5 जनवरी 2024 तक शीतकालीन अवकाश के बीच ही सेमेस्टर परीक्षाएं भी शुरू है, ऐसे में इन दिनों प्रोफेसर शीतकालीन छुट्टियां मना रहे है, तो सेल्फ फाइनेंस के शिक्षक सेमेस्टर परीक्षा करवा रहे है, अभी तक यह नियम रहा है कि तीन परीक्षाएं कराने पर एक प्रतिकर अवकाश सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को दिया जाता था, जिसकी शिकायत पिछले दिनों कुछ शिक्षकों ने लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और रजिस्ट्रार डॉ विनोद कुमार सिंह से की थी।

इसके बाद एक कमेटी बना दी गई थी, उस कमेटी के निर्णय के आधार पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सेल्फ फाइनेंस कोर्स पढ़ा रहे शिक्षकों को एक ड्यूटी करने पर एक प्रतिकर अवकाश देने का आदेश दिया, इसके आदेश भी कुलसचिव डॉ.विनोद कुमार सिंह ने जारी कर दिए है। आदेश जारी होते ही सेल्फ फाइनेंस कोर्स को पढ़ा रहे एडेड डिग्री कॉलेज के कई शिक्षक कुलपति का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचे थे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और रजिस्ट्रार डा. विनोद कुमार सिंह का धन्यवाद ज्ञापित करने वालों में डॉ.प्रशांत कुमार पांडे और डा. विजय मिश्रा तथा संगठन के कुछ पदाधिकारी भी शामिल रहे। रजिस्ट्रार डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने बताया कि शीतकालीन अवकाश की अवधि में लिखित/मौखिक का कार्य करने पर सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को एक प्रतिकर अवकाश मिलेगा और इसका कड़ाई से अनुपालन भी कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेल्फ फाइनेंस कोर्स पढ़ा रहे शिक्षकों की मांगो पर विचार करते हुये एक प्रतिकर अवकाश कार्य परिषद् के अनुमोदन की प्रत्याशा में देने की स्वीकृति कुलपति ने दी है।

LU का सेल्फी स्थल गुजरात विवि को भाया

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बना सेल्फी स्थल गुजरात विश्वविद्यालय को भा गया है, वह भी अपने परिसर में ऐसा ही सेल्फी स्थल बनाना चाहता है, जिसको लेकर रविवार को गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय पहुंचे।

गुजरात से आए अधिकारियों ने लविवि के कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की गयी सजावटी प्रकाश, गौरव स्थल एवं संविधान स्थल को देखा। इन दोनो अधिकारियों ने दिन में गौरव स्थल और संविधान स्थल को देखा तथा इसके साथ ही पूरे विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। शाम को सजावटी प्रकाश में विश्वविद्यालय को देखा। विश्वविद्यालय का भवन ऐतिहासिक है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और यह विश्वविद्यालय की शान है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

गुजरात विवि के सह कुल सचिव ने किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गुजरात विश्वविद्यालय के भीतर जल्द ही लखनऊ विवि की झलक देखने को मिलेगी। इसको लेकर गुजरात विवि अहमदाबाद से आए सहायक कुल सचिव ने लविवि के भीतर बने कई स्थलों का अवलोकन किया। इस दौरान कई फोटो भी साक्ष्य संकलन के रूप में इकट्ठा किये गए।

रविवार को गुजरात विवि के सहायक कुल सचिव शैलेश मोदी का लखनऊ विवि में आगमन हुआ। इनके साथ अभियंता शैलेश गोस्वामी भी थे। विवि के भीतर एक- एककर स्थलीय निरीक्षण किया गया। कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की सजावटी प्रकाश का अवलोकन हुआ। सहा. कुल सचिव ने बताया कि गौरव स्थल एवं संविधान स्थल का तथ्यपरक आंकलन किया गया है। जल्द ही इसी तरह के स्थल गुजरात विवि में भी देखने को मिलेंगे।

लविवि में स्थलों का अवलोकन करते गुजरात विवि के सह कुल सचिव।

स्थापत्य कला का उदाहरण

सहायक कुल सचिव बताते हैं कि लविवि का भवन पुराना है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यही विवि की शान है। गुजरात विवि में घड़ी वाला टावर है, जो 75 वर्ष पुराना है।

गुजरात विवि में अध्ययन कर चुके हैं प्रधानमंत्री

कुल सचिव कहते हैं कि गुजरात विवि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्ययन कर चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह, कस्तूरीरंगन, विक्रम साराभाई ने भी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से अध्ययन किया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

गुजरात विवि से आए मेहमानों ने लविवि का किया भ्रमण

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद से शैलेश मोदी, सहायक कुलसचिव और शैलेश गोस्वामी, संपत्ति अभियंता लखनऊ विश्वविद्यालय में भ्रमण के लिए आए हुए हैं। लविवि के कला संकाय, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान भवन पर रंगीन रोशनी से भव्य सजावटी की गई। लविवि में स्थापित गौरव स्थल व संविधान स्थल को देखने के लिए उक्त मेहमान गुजरात विवि, अहमदाबाद से यहां पहुंचे। वहीं, दोनों अतिथियों ने दोपहर में गौरव स्थल और संविधान स्थल को देखा तथा इसके साथ ही पूरे विवि परिसर का भ्रमण किया। शाम को शैलेश मोदी व शैलेश गोस्वामी ने प्रकाश सजावटी में विश्वविद्यालय को देखा। इस दौरान सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी ने कहा कि गौरव स्थल एक भिन्न प्रकार का लविवि के नाम को प्रतिनिधित्व प्रदान करने वाला स्थान है। इसी प्रकार संविधान स्थल भी हमारे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की प्रस्तावना और बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के साथ संविधान स्थल के नाम को प्रस्तुत करता है। विवि का भवन पुराना है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और यह विवि की शान है। हमारे वहां घड़ी वाला टावर है और हमारा विश्वविद्यालय 75 वर्ष पुराना है। हमारा भी प्रयास अपने विश्वविद्यालय में इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करना होगा। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की सोच नवीनतम और विवि को आगे ले जाने वाली है। यहां से वे लोग उपरोक्त स्थानों का यादगार के रूप में तस्वीरें खींचकर और वीडियो बनाकर ले जा रहे हैं। इसके बाद गुजरात विवि अहमदाबाद में भी इसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने की वहा के प्रशासन की योजना है। गुजरात विवि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अध्ययन किया है। इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह, कस्तूरीरंगन, विक्रम साराभाई ने भी गुजरात विवि से अध्ययन किया है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि की भव्यता को देखते रह गये गुजरात विवि के अफसर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी और संपत्ति अभियंता शैलेश गोस्वामी लखनऊ विश्वविद्यालय में आए हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय भवन, भौतिक विज्ञान भवन और रसायन विज्ञान भवन पर की सजावटी प्रकाश (लाइटिंग), गौरव स्थलएवं संविधान स्थल को देखने को ये लोग गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से लखनऊ विश्वविद्यालय आये हैं।

इनदोनोलोगोंनेदिन में गौरव स्थल और संविधान स्थल को देखा तथा इसके साथ ही पूरे विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। शाम को इन लोगों ने सजावटी प्रकाश में विश्वविद्यालय को देखा। सहायक कुलसचिव शैलेश मोदी ने कहा कि गौरव स्थल एक भिन्न प्रकार का विश्वविद्यालय के नाम को प्रतिनिधित्व देने वाला स्थान है। इसीप्रकार संविधान स्थल भीहमारे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान की प्रस्तावना और बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के साथ संविधान स्थल के नाम को प्रस्तुत करता है। विश्वविद्यालय का भवन पुराना है और स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और यह विश्वविद्यालय की शान है। हमारे वहां घड़ी वाला टावर है। हमाराविश्वविद्यालय75 वर्ष पुराना है। हमारा भी प्रयास अपने विश्वविद्यालय में इसीप्रकार के स्थलों को स्थापित करना होगा। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की सोच नवीनतम और विश्वविद्यालय को आगे ले जाने वालीहै। यहां से वेलोगइनस्थानोंका फोटो खींचकर और वीडियो बनाकर ले जा रहे हैं। इसके बाद गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में भीइसी प्रकार के स्थलों को स्थापित करने की वहा के प्रशासन की योजना है। गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अध्ययन किया है। इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह, कस्तूरीरंगन, विक्रम साराभाई ने भी गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से अध्ययन किया है।

TOI PAGE 6

THE Newsmakers FROM LUCKNOW

Sanjeev Gautam | Lucknow University's fine arts faculty Sanjeev Kishore Gautam was appointed the director general of the National Gallery of Modern Art (NGMA), Delhi, by the Union ministry of culture. Gautam, who was the head of LU fine arts department, will also serve as the head of NGMA, Mumbai and Bengaluru

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

उपलब्धि लविवि ने अंतर्राष्ट्रीय फलक पर दर्ज करायी उपस्थिति, 76 देशों से आये 1456 आवेदन

लविवि कर्तव्य पथ से उत्कृष्टता की ओर हो रहा अग्रसर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए वर्ष 2022-23 उत्कृष्टता के पथ पर एक वर्ष की यात्रा काफी सफल रहीं। इस वर्ष की यात्रा में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में काफी सृजनात्मक कार्य किये गये तो कई उपलब्धियों को अपने नाम किया।

यदि शैक्षणिक पहल की बात की जायें तो दो नए संकाय, कृषि विज्ञान संकाय और प्रबंधन संकाय बनाए गए। कृषि विज्ञान संकाय में आठ विभाग होंगे। ऑनलाइन शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा के लिए सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (एलयू-सीओडीई) की भी स्थापना की गई। 10 नए व्यवसाय-केंद्रित शिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए गए। एक नया यूजी अध्यादेश और पीएचडी अध्यादेश बनाये गये। ट्विनिंग, संयुक्त और दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू किए गए। विदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के विजिटिंग स्कॉलर्स, शोधकर्ताओं व प्रोफेसरों के लिए दिशा-निर्देश तैयार किये गये। लविवि के पाठ्यक्रमों में आंशिक क्रेडिट के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा करने की अनुमति देने के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए गए। अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए क्वार्टाइल एक्सेल पुरस्कार लांच किए गए इसमें क्यू1, क्यू2, क्यू3 और क्यू4 पत्रिकाओं में प्रकाशनों के लिए प्लैटिनम, स्वर्ण, रजत, कांस्य पुरस्कार दिये जायेंगे।

लखनऊ विवि में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज करायी है। 76 देशों से 1456 आवेदन, आवेदनों में 77% की वृद्धि, पिछले शैक्षणिक वर्ष में कुल 28 समझौता ज्ञापन हुए, जिनमें से 14 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन थे।

लविवि ने अनुसंधान प्रकाशनों में उत्कृष्टता के लिए 29 शिक्षकों और 30 शोध छात्रों को सम्मानित किया गया। 07 शिक्षकों को शोध विचारों के लिए सम्मानित किया गया। 02 शिक्षकों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए सम्मानित किया गया। शोध पत्रों में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि (827 प्रकाशन), पुस्तकों में 50 प्रतिशत की वृद्धि (32 पुस्तकें) और पुस्तक अध्यायों में 58.33 प्रतिशत की वृद्धि (48 पुस्तक अध्याय)। एच-इंडेक्सः वेब ऑफ साइंस में 83 और स्कोपस में 109, 21 फंडिंग एजेंसियों से 140 परियोजनाओं के माध्यम से 1414.29 लाख रुपये का अनुदान, विश्वविद्यालय में वाणिज्य, प्राणीशास्त्र, समाजशास्त्र, फार्मास्युटिकल विज्ञान और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में 3 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों सहित 328 शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से 1000 प्रतिष्ठित अतिथियों ने वक्ताओं और विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। इस वर्ष 1611 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। उच्चतम पैकेज रु. 23.61 लाख और औसत पैकेज रु. 8.6 लाख प्रति वर्ष रहा। 125 से अधिक इंटर कॉलेज और इंटरयूनिवर्सिटी कार्यक्रम हुए। 2200 से अधिक छात्रों ने कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। छात्रों ने खेलो इंडिया और अन्य राष्ट्रीय और अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में 18 पदक जीते।

इस बार लविवि को विवि अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली द्वारा श्रेणी-1 विवि मिला। एनआईआरएफः 101-150 में 151-200 मिला। वहीं प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में एशिया के शीर्ष 500 विश्वविद्यालय रहा। एपी सेन सभागार का आडिटोरियम के रूप में नवीनीकरण हुआ। इस साल परिसर में गौरव स्थल और संविधान स्थल की स्थापना हुई।

आगामी लक्ष्य : विदेश में खुलेगा लविवि का केंद्र

लविवि ने नए वर्ष के लिए नये लक्ष्य तय किये है। इसमें एनआईआरएफ रैंकिंग में अच्छा स्थान प्राप्त करना, नया परीक्षा भवन, द्वार संख्या तीन पर एक केंद्रीय द्वार का निर्माण और विभिन्न देशों में लविवि का केंद्र खोलना है।